समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 24 August 2026

हम न रुकेगें, न धीमे होंगे... एनडीटीवी वर्ल्ड समिट मे पींएम मोदी ने दिया भारत की अर्थव्यवस्था पर बड़ा संदेश

Publisher | Published on 18 Oct 2025

प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** ने शनिवार को **एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025** में भारत की आर्थिक शक्ति और वैश्विक स्थिति पर एक सशक्त संदेश दिया। मंच से उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा — *“[illegible]”*

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत ने बीते दस वर्षों में असंभव को संभव कर दिखाया है। कभी ‘फ्रेजाइल फाइव’ (कमजोर अर्थव्यवस्थाओं) में गिना जाने वाला भारत आज दुनिया की **टॉप 5 अर्थव्यवस्थाओं** में शामिल है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन किसी एक सरकार या नीति की देन नहीं, बल्कि **140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक शक्ति** का परिणाम है।

मोदी ने कहा, “आज भारत का हर नागरिक आत्मविश्वास से भरा है। हमें पता है कि हम जो ठान लेते हैं, उसे पूरा करते हैं। यही कारण है कि भारत अब सिर्फ विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकत नहीं, बल्कि आर्थिक ताकत के रूप में भी उभर रहा है।”

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था अब वैश्विक स्थिरता की कुंजी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश आज मंदी और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, वहीं भारत ने **स्थिरता, पारदर्शिता और भरोसे** के साथ विकास की नई मिसाल पेश की है।

अपने भाषण में मोदी ने कहा, “भारत आज न केवल निवेश का सुरक्षित ठिकाना है, बल्कि इनोवेशन और टेक्नोलॉजी का ग्लोबल हब बन रहा है। हम डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप इकोसिस्टम और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं।”

उन्होंने बताया कि भारत की विकास दर विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज़ है और आने वाले वर्षों में यह रफ्तार और बढ़ेगी। “हमारा लक्ष्य है कि भारत को अगले कुछ वर्षों में **टॉप 3 ग्लोबल इकॉनमी** के रूप में स्थापित किया जाए। इसके लिए हम गति और स्थिरता दोनों के साथ आगे बढ़ रहे हैं,” उन्होंने कहा।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया की आवाज़ बन चुका है। "हम ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत की नीतियां मानवता केंद्रित हैं, किसी भी राजनीतिक या रणनीतिक स्वार्थ से नहीं।"

इस दौरान प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के मुद्दे पर भी पाकिस्तान का नाम लिए बिना तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, "कुछ देश आज भी आतंकवाद को अपनी नीतियों का हिस्सा बनाए हुए हैं। वे सोचते हैं कि आतंक और हिंसा से अपने उद्देश्य पूरे कर सकते हैं, लेकिन भारत ने बार-बार साबित किया है कि आतंक के हर रूप को जवाब देने की ताकत हमारे पास है।"

उन्होंने आगे कहा कि **भारत अब पहले जैसा नहीं रहा**। "हम शांति में विश्वास करते हैं, लेकिन किसी को यह भ्रम नहीं होना चाहिए कि हम कमजोरी दिखाएंगे। हमारी नीति स्पष्ट है — 'भारत बदला है, और नया भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा।'"

प्रधानमंत्री ने भारत के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन की बात करते हुए कहा कि आज देश में हर नागरिक की पहुंच टेक्नोलॉजी से है। उन्होंने कहा कि **UPI, डिजिटल इंडिया और जनधन योजनाओं** ने देश में आर्थिक लोकतंत्र को नया अर्थ दिया है। "आज गांव का युवा भी ग्लोबल स्टार्टअप बना रहा है। यही भारत की नई पहचान है — न रुकने वाला, न थकने वाला, न झुकने वाला।"

मोदी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी जनशक्ति है। "हमारी युवा आबादी न केवल हमारे देश का भविष्य है, बल्कि दुनिया की उम्मीद भी है। आने वाले दशक में भारत की डेमोग्राफिक डिविडेंड वैश्विक विकास का इंजन बनेगी।"

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत की आर्थिक नीति केवल विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह **समावेशिता और स्थिरता** पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भारत का विकास मॉडल "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के सिद्धांत पर आगे बढ़ रहा है।

मोदी ने वैश्विक निवेशकों को भारत में अवसरों की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि यहां की नीतियां पारदर्शी, प्रगतिशील और दीर्घकालिक विकास के अनुरूप हैं। "भारत आज अवसरों की धरती है। यहां स्थिर सरकार, मजबूत अर्थव्यवस्था और उद्यमिता का अनोखा संगम है," उन्होंने कहा।

प्रधानमंत्री ने अंत में कहा, "भारत की दिशा अब तय है — हम न रुकेंगे, न थकेंगे, और न ही धीमे होंगे। हम उस भारत का निर्माण कर रहे हैं जो आत्मनिर्भर भी होगा और वैश्विक भी। जो अपनी जड़ों में दृढ़ है और अपने सपनों में विशाल।"

प्रधानमंत्री के इस भाषण को देश और विदेश के आर्थिक विशेषज्ञों ने भारत की विकास यात्रा की 'नई घोषणा' बताया। उनका कहना है कि मोदी का यह संदेश वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को और मजबूत करेगा।

एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 में प्रधानमंत्री का यह संबोधन भारत की आर्थिक कहानी का नया अध्याय साबित हो सकता है — जिसमें विश्वास, परिवर्तन और संकल्प तीनों समान रूप से दिखाई दिए।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.